

**THINK IAS**

**JOIN SAMYAK**

**Samyak**

An Institute For Civil Services

**DAILY**

**CURRENT नाना**

**1 एवं 2 सितम्बर**

**9875170111**

**SAMYAK IAS, NEAR RIDDHI-SIDDHI, JAIPUR**

## कला और संस्कृति

### भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण तिरुचि जिले में मंदिर की दीवारों पर पुराने पत्थर के शिलालेखों की नकल कर रहा है

#### सुर्खियों में क्यों ?

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने तमिलनाडु के तिरुचि और थेनी जिलों में मंदिर की दीवारों से प्राचीन पत्थर के शिलालेखों की नकल करने की परियोजना शुरू की है। इस पहल का उद्देश्य इन शिलालेखों में उत्कीर्ण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना है, जिससे क्षेत्र के अतीत के बारे में बहुमूल्य जानकारी मिल सके।
- इन शिलालेखों को सावधानीपूर्वक मैपलिथो कागजों पर कॉपी किया जा रहा है, ताकि आगे के अध्ययन के लिए सटीक विवरण एकत्र किया जा सके।
- तिरुवासी मंदिर के शिलालेख के प्रारंभिक अध्ययन से पता चला कि यह कुलोथुंगा चोल काल का था।

#### प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

कुलोथुंगा ने अनावश्यक युद्धों से परहेज किया और वह वास्तव में अपनी प्रजा की भलाई के बारे में चिंतित थे।

पसंदीदा कूटनीति

एक सुव्यवस्थित राजकोषीय और स्थानीय प्रशासन प्रणाली थी। इस दौरान बड़े पैमाने पर भूमि सर्वेक्षण किया गया, जिसने कराधान के लिए आधार के रूप में कार्य किया।

प्रशासन

कला और साहित्य के संरक्षक। प्रसिद्ध तमिल कविता कलिंगदुपराणी, जिसका श्रेय कवि जयमकोंडर को दिया जाता है, उनके शासनकाल के दौरान लिखी गई थी।

सांस्कृतिक योगदान

#### कुलोथुंगा चोल

इसका विवरण

चोल सम्राट जिन्होंने 11वीं शताब्दी में शासन किया और राजराजा नरेंद्र के उत्तराधिकारी, पूर्वी चालुक्य सम्राट बने।

कुलोथुंगा का अर्थ

तमिल में 'अपने मूलवंश का उत्थान करने वाला'।

शासनकाल:

भारतीय शहर कन्नौज, और कंबोडिया, श्रीविजय, खमेर, बर्मा और चीन के साथ राजनयिक संबंध बनाए रखे।  
मलय प्रायद्वीप के श्रीविजय प्रांत पर चोल शासन स्थापित किया।

केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय।

नोडल मंत्रालय

प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्व स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958 के प्रावधानों के अनुसार सभी पुरातात्विक गतिविधियों को विनियमित करता है।

पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम, 1972 को विनियमित करता है।

कार्य:

#### भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई)

इसका विवरण

पुरातात्विक अनुसंधान और देश की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए प्रमुख संगठन।

उद्देश्य

राष्ट्रीय महत्व के पुरातात्विक स्थलों, प्राचीन स्मारकों और अवशेषों का रखरखाव करना।

मुख्यालय

नई दिल्ली।

1861 में अलेक्जेंडर कनिंघम द्वारा।

स्थापना

## अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ बिहार के नालंदा में गुरु पद्मसंभव के जीवन और विरासत पर दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित करेगा

### सुर्खियों में क्यों ?

- अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (IBC) और नव नालंदा महाविहार के सहयोग से बिहार के नालंदा में हाल ही में गुरु पद्मसंभव के जीवन और उनकी विरासत पर एक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह आयोजन हिमालय क्षेत्र में बुद्ध धम्म के प्रसार में गुरु पद्मसंभव के योगदान को उजागर करने का एक प्रयास है।

### प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

#### अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ

- **इसका विवरण:** यह एक बौद्ध छत्र निकाय है जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है और जो दुनिया भर के बौद्धों के लिए एक साझा मंच है।
- **सदस्य:** इसमें 39 देशों के 320 से अधिक संगठन शामिल हैं, जिनमें मठवासी और आम लोग दोनों शामिल हैं।

#### गुरु पद्मसंभव/ गुरु रिन्पोछे

- **इनका विवरण:** वे आठवीं शताब्दी में प्राचीन भारत में रहते थे और उन्हें हिमालय क्षेत्र में बुद्ध धम्म के प्रचार के लिए जाना जाता है। उन्हें वज्रयान परंपरा के संस्थापक और दूसरे बुद्ध के रूप में भी मान्यता प्राप्त है।
- **भूमिका:**
  - तिब्बती बौद्ध धर्म के संस्थापकों में से एक माने जाते हैं, जो 749 ई. में तिब्बत में प्रकट हुए थे
  - भारत, नेपाल, पाकिस्तान, भूटान, बांग्लादेश और तिब्बत में स्थित क्षेत्रों में भगवान बुद्ध के संदेश का प्रसार किया।
  - एक तांत्रिक और योगाचार संप्रदाय के सदस्य
  - भारत में बौद्ध अध्ययन के केंद्र नालंदा में अध्यापन किया।
  - योगिक और तांत्रिक प्रथाओं को ध्यान, कला, संगीत, नृत्य, जादू, लोकगीत और धार्मिक शिक्षाओं में एकीकृत किया।





### क्या पॉलीग्राफ परीक्षण कानूनी रूप से वैध है?

#### सुर्खियों में क्यों ?

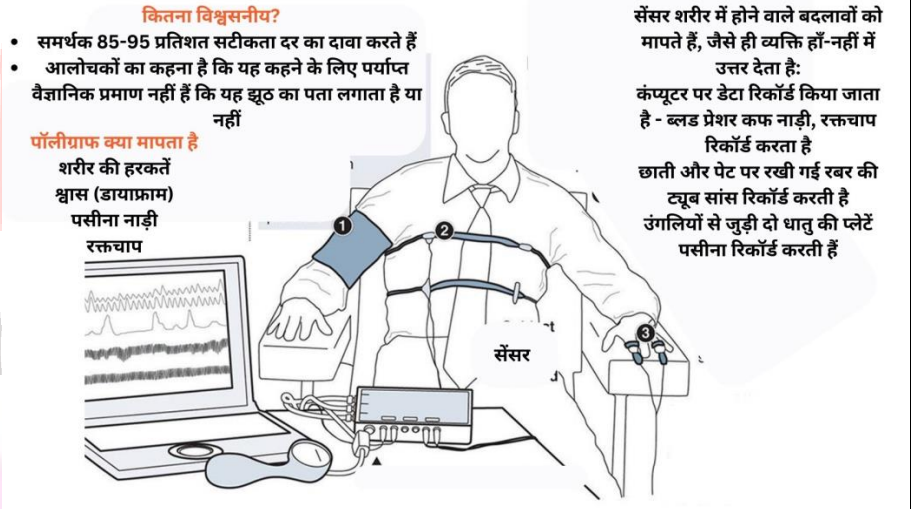
- केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने हाल ही में कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक रेजिडेंट डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के सिलसिले में सात लोगों पर दूसरी बार पॉलीग्राफ परीक्षण किया।

#### प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

#### पॉलीग्राफ परीक्षण

- सिद्धांत:** यह इस आधार पर संचालित होता है कि जब कोई व्यक्ति झूठ बोलता है तो उसकी शारीरिक प्रतिक्रियाएँ सत्य बोलने पर होने वाली प्रतिक्रियाओं से भिन्न होती हैं।
- तंत्र:** संदिग्ध व्यक्ति से प्रश्न पूछे जाने पर रक्तचाप, नाड़ी दर, श्वसन, पसीने की ग्रंथि की गतिविधि और रक्त प्रवाह जैसे मापदंडों को मापने के लिए

कार्डियो-कफ या संवेदनशील इलेक्ट्रोड जैसे उपकरण लगाए जाते हैं।  
प्रतिक्रिया के आधार पर **परिणाम:** प्रत्येक प्रतिक्रिया को एक संख्यात्मक मान दिया जाता है, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि व्यक्ति सच बोल रहा है या झूठ।



#### पॉलीग्राफ टेस्ट के लिए दिशा-निर्देश

#### सेल्वी एवं अन्य बनाम कर्नाटक राज्य एवं अन्य (2010) में, सर्वोच्च न्यायालय ने माना कि:

- पॉलीग्राफ टेस्ट केवल अभियुक्त की सहमति से ही किया जा सकता है।
- अभियुक्त को कानूनी परामर्श तथा परीक्षण के शारीरिक, भावनात्मक और कानूनी निहितार्थों की विस्तृत व्याख्या उपलब्ध होनी चाहिए।
- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा वर्ष 2000 में जारी पॉलीग्राफ परीक्षण के लिए दिशा-निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए।
- अभियुक्त की सहमति को न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष दस्तावेजित किया जाना चाहिए।
- स्वेच्छा से सहमति प्राप्त पॉलीग्राफ परीक्षण के माध्यम से प्राप्त कोई भी साक्ष्य या जानकारी न्यायालय में स्वीकार की जा सकती है।

## एकीकृत पेंशन योजना में बदलाव

### सुर्खियों में क्यों ?

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए पेंशन प्रावधानों में एक महत्वपूर्ण बदलाव को मंजूरी दे दी है, जिससे 1 अप्रैल, 2025 को एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) शुरू करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इस निर्णय का उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों की उनकी सेवानिवृत्ति आय सुरक्षा के बारे में लंबे समय से चली आ रही चिंताओं को दूर करना है।

### प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

सेवानिवृत्ति पर, कर्मचारियों को सेवा के प्रत्येक छह माह के लिए उनके मासिक वेतन (मूल वेतन + महंगाई भत्ता) के 1/10वें भाग के बराबर एकमुश्त सेवानिवृत्ति भुगतान मिलेगा, साथ ही ग्रेच्युटी लाभ भी मिलेगा।

एकमुश्त सेवानिवृत्ति भुगतान

औद्योगिक श्रमिकों के लिए पेंशन राशि को उपभोक्ता मूल्य प्रवृत्तियों के अनुरूप समायोजित किया जाएगा, जो वर्तमान कर्मचारियों को दी जाने वाली महंगाई राहत के समान है, जिससे मुद्रास्फीति के विरुद्ध बचाव सुनिश्चित होगा।

मुद्रास्फीति समायोजन

#### एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) की मुख्य विशेषताएं

सुनिश्चित पेंशन

सरकारी कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति से पहले सेवा के अंतिम 12 महीनों में प्राप्त औसत मूल वेतन के 50% के बराबर मासिक पेंशन मिलेगी। यह सुनिश्चित पेंशन जीवन भर के लिए उपलब्ध है, बशर्ते कि सेवा की न्यूनतम अवधि 25 वर्ष हो।

पारिवारिक पेंशन

कर्मचारी की मृत्यु की स्थिति में, सरकारी कर्मचारी की पेंशन के 60% के बराबर पारिवारिक पेंशन आश्रितों को प्रदान की जाएगी।

न्यूनतम पेंशन

कम से कम 10 वर्ष की सेवा वाले कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति पर न्यूनतम पेंशन राशि ₹10,000 निर्धारित की गई है।

### एकीकृत पेंशन योजना बनाम पुरानी और नई की तुलना

#### ओपीएस

ओपीएस "अंतिम आहरित वेतन का 50% गारंटीकृत" और "महंगाई भत्ता समायोजन।" ग्रेच्युटी कोई योगदान नहीं निश्चित पेंशन



#### यूपीएस

यूपीएस "औसत मूल वेतन का 50% + मुद्रास्फीति सूचकांक" और "गारंटीकृत पेंशन, पारिवारिक लाभ।" आश्वासित पारिवारिक पेंशन मुद्रास्फीति संरक्षण न्यूनतम पेंशन



#### एनपीएस

एनपीएस "बाजार से जुड़े रिटर्न" और "कोई गारंटीकृत पेंशन नहीं।" कर लाभ कर्मचारी योगदान लचीली निकासी



## राजव्यवस्था

### सर्वोच्च न्यायालय ने औषधि अधिनियम के नियम 170 को लेकर आयुष मंत्रालय की आलोचना की

#### सुर्खियों में क्यों ?

- हाल ही में पतंजलि आयुर्वेद से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय की सुनवाई में जस्टिस हिमा कोहली और संदीप मेहता ने आयुष मंत्रालय को 1 जुलाई की अधिसूचना के लिए फटकार लगाई, जिसमें राज्य लाइसेंसिंग अधिकारियों को औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम के नियम 170 के तहत कोई भी कार्रवाई करने से परहेज करने का निर्देश दिया गया था।
- इस कदम ने विवाद को जन्म दिया है और भारत में पारंपरिक चिकित्सा विज्ञापनों के विनियमन के बारे में सवाल उठाए हैं।

#### प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

लाइसेंसिंग मुद्दे: आयुष दवाओं हेतु अनुमोदन के लिए परीक्षण आवश्यक नहीं हैं और उन्हें उस विशेष धारा के आधिकारिक ग्रंथों में दिए गए तर्क के आधार पर ही अनुमोदित किया जा सकता है।

सुरक्षा परीक्षण: केवल उन फॉर्मूलेशनों के लिए आयोजित किया जाता है जिनमें अधिनियम में सूचीबद्ध लगभग 60 विशिष्ट सामग्रियों का उपयोग किया जाता है, जैसे कि सांप का जहर, सांप का सिर, भारी धातुएं जैसे आर्सेनिक, पारा, कॉपर सल्फेट आदि। अधिनियम के अनुसार प्रभावशीलता का प्रमाण प्रदान करना होगा।

आयुष दवाओं को विनियमित करने से संबंधित चुनौतियाँ

देश में दवाओं के निर्माण, भंडारण और बिक्री को नियंत्रित करने के लिए 2018 में लाया गया, विशेष रूप से आयुर्वेदिक, सिद्ध और यूनानी दवाओं के अनुचित विज्ञापनों को नियंत्रित करने के लिए।

इसका विवरण

आयुष दवा निर्माताओं को राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण से अनुमोदन और एक विशिष्ट पहचान संख्या के आवंटन के बिना अपने उत्पादों का विज्ञापन करने से रोकता है।

नियम 170

औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम

प्रावधान:

निर्माताओं को दवा के लिए प्रामाणिक पुस्तकों से प्राप्त पाठ्य संदर्भ और औचित्य, उपयोग के संकेत, सुरक्षा के साक्ष्य, प्रभावशीलता और दवा की गुणवत्ता जैसे विवरण प्रस्तुत करने होंगे।

यदि निर्माता अपना संपर्क विवरण प्रदान नहीं करता है

यदि विज्ञापन की सामग्री अश्लील है,

पुरुष या महिला यौन अंगों के संवर्धन के लिए उत्पादों के लिए,

यदि इसमें मशहूर हस्तियों या सरकारी अधिकारियों की तस्वीरें या प्रशंसापत्र दिखाए गए हैं, या किसी सरकारी संगठन का संदर्भ दिया गया है,

यदि यह गलत धारणा देता है या भ्रामक या अतिरंजित दावे करता है।

आवेदन अस्वीकार करने की शर्तें:

**प्रशांत द्वीप समूह फोरम के सदस्यों ने संयुक्त पुलिसिंग पहल का समर्थन किया**

**सुर्खियों में क्यों ?**

- तालिबान ने हाल ही में "सुदुण के प्रचार और बुराई की रोकथाम" पर एक नए कानून की घोषणा की है, जो अफगान समाज पर शरिया कानून की अपनी सख्त व्याख्या को लागू करता है।
- यह कानून महिलाओं पर गंभीर प्रतिबंध लगाता है, जिसमें उनके शरीर के किसी भी अंग को दिखाने, आवाज़ निकालने और कई दैनिक गतिविधियों पर प्रतिबंध शामिल है।
- संयुक्त राष्ट्र सहित अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने इन उपायों की निंदा दमनकारी और असहनीय के रूप में की है।

**प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य**

जर्मनी: इसने नए कानूनों की आलोचना करते हुए कहा कि ये "महिलाओं के प्रति लगभग 100 पृष्ठ के दृष्ट" हैं।

संयुक्त राष्ट्र: इसने नए कानून की निंदा की। हालांकि उसने तालिबान के साथ "संपर्क" जारी रखने की बात कही।

भारत: विदेश मंत्रालय ने अफगानिस्तान में महिलाओं के साथ तालिबान के व्यवहार के बारे में भारत की स्थिति को दोहराया। भारत ने अफगानिस्तान में महिलाओं की शिक्षा के मुद्दे का लगातार समर्थन किया है।

वे विवेकाधीन दंड दे सकते हैं, लोगों को इस्लामी प्रतीकों का सम्मान करने के लिए मजबूर कर सकते हैं, और यह सुनिश्चित करने के लिए फोन और लैपटॉप की जांच कर सकते हैं कि उनमें जीवित प्राणियों का कोई चित्र न हो।

महिलाओं को अपने पूरे शरीर और चेहरे को असंबंधित पुरुषों के साथ-साथ गैर-मुस्लिम और "अनैतिक" महिलाओं की उपस्थिति में ढकना चाहिए।

महिला का गाना, मंत्रोच्चार करना या जोर से पढ़ना प्रतिबंधित है।

असंबंधित पुरुषों और महिलाओं को एक-दूसरे को देखने की भी अनुमति नहीं है।

किसी भी उल्लंघन के लिए सज़ा का प्रावधान।

महिलाओं पर प्रतिबंध:

दंडात्मक प्रावधान:

पुरुषों के लिए प्रावधान:

पुरुषों को दाढ़ी बढ़ानी होगी, वे टाई नहीं पहन सकते तथा पश्चिमी शैली के बाल नहीं कटवा सकते।

सभी प्रकार के खेल और मनोरंजन, यहाँ तक कि बच्चों के पारंपरिक खेल जो कंचों से खेले जाते हैं, उन्हें जुए के रूप में प्रतिबंधित किया गया है।

नमाज़ अदा करने के समय पर यात्रा नहीं कर सकते।

झाड़वर उन महिलाओं को नहीं ले जा सकते जिनके साथ कोई संबंधित पुरुष अभिभावक न हो।

नए कानून के बारे में

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया

नैतिक पुलिस/मुहतासिब:

केंद्र सरकार '2जी इथेनॉल' उत्पादन को बढ़ावा देने, आयात कम करने के लिए एंजाइम-निर्माण सुविधाएं स्थापित करने की योजना बना रही है

**सुर्खियों में क्यों ?**

- भारत सरकार अपनी नई बायोई3 नीति के तहत देश में इथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एंजाइम विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है।
- पहला एंजाइम विनिर्माण संयंत्र हरियाणा के मानेसर में स्थापित किए जाने की संभावना है, जो उत्तर प्रदेश, पंजाब में प्रस्तावित 2जी बायो-इथेनॉल संयंत्रों और हरियाणा के पानीपत में मौजूदा संयंत्र को एंजाइम की आपूर्ति करेगा।

**प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य**

**BioE3 (बायोटेक्नॉलॉजी फॉर इकॉनमी, एनवायरनमेंट एंड एंप्लॉयमेंट) नीति**

- **नोडल विभाग:** जैव प्रौद्योगिकी विभाग
- **उद्देश्य:**
  - उच्च-प्रदर्शन वाले जैव-विनिर्माण को बढ़ावा देना।
  - विषयगत क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास और उद्यमिता के लिए नवाचार-संचालित समर्थन को शामिल करना।
  - बायोमैनुफैक्चरिंग और बायो-एआई हब और बायोफाउंड्री की स्थापना करके प्रौद्योगिकी विकास और व्यावसायीकरण।
  - भारत के कुशल कार्यबल के विस्तार को सुविधाजनक बनाना और रोजगार सृजन में वृद्धि प्रदान करना।
- **रणनीतिक/विषयगत क्षेत्र:**
  - उच्च मूल्य वाले जैव-आधारित रसायन;
  - बायोपॉलिमर और एंजाइम;
  - स्मार्ट प्रोटीन और कार्यात्मक खाद्य पदार्थ;
  - परिशुद्धता जैवचिकित्सा;
  - जलवायु अनुकूल कृषि; कार्बन कैप्चर और उसका उपयोग;
  - समुद्री एवं अंतरिक्ष अनुसंधान



## केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने मुकदमेबाजी को कम करने के लिए ई-डिस्प्यूट रेजोल्यूशन स्कीम (ई-डीआरएस), 2022 शुरू की

### सुर्खियों में क्यों ?

- आयकर अधिनियम, 1961 (जिसे इसके बाद "अधिनियम" कहा जाएगा) में धारा 245 एमए के अनुसरण में, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने मुकदमेबाजी को कम करने और पात्र करदाताओं को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से ई-डिस्प्यूट रेजोल्यूशन स्कीम, 2022 (ई-डीआरएस) को अधिसूचित किया था।

### प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

#### योजना के बारे में

- **उद्देश्य:** सरकार का उद्देश्य कर विवादों को कम करना और विवाद समाधान की प्रक्रिया को पारदर्शी और तेज़ बनाना है।
- **संबंधित अधिनियम:** आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 245MA के तहत
- **प्रावधान:** यह करदाताओं को विवाद समाधान समितियों (डीआरसी) के माध्यम से विवादों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से हल करने में मदद करेगा।
- **पात्रता:** करदाता उन मामलों में आवेदन कर सकते हैं जिनमें विवादित राशि 10 लाख रुपये से अधिक नहीं है और संबंधित कर निर्धारण वर्ष के लिए घोषित आय 50 लाख रुपये से अधिक नहीं है। साथ ही, यह आदेश धारा 90 या 90ए के तहत किसी समझौते के तहत किए गए खोज/सर्वेक्षण या सूचना पर आधारित नहीं होना चाहिए।
- **नोट:** विवाद में खोज या अंतर्राष्ट्रीय समझौतों की जानकारी शामिल नहीं होनी चाहिए।
- **डीआरसी:** देशभर में सभी 18 पीआर.सीसीआईटी (प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त) क्षेत्रों में डीआरसी (विवाद समाधान समिति) का गठन किया गया है। वे आदेशों को संशोधित कर सकते हैं, दंड कम कर सकते हैं, या अभियोजन से छूट दे सकते हैं। उन्हें आवेदन प्राप्त होने के छह महीने के भीतर निर्णय लेना आवश्यक है।

## विश्व स्वर्ण परिषद ने 2024 में भारत में सोने की खपत का अनुमान बढ़ाकर 850 टन किया

### सुर्खियों में क्यों ?

- विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने 2024 में भारत में सोने की खपत के अपने अनुमान को 750 टन से बढ़ाकर 850 टन कर दिया है।

## प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

स्वर्ण मानकों की स्थापना, नीतियों का प्रस्ताव, स्वर्ण खनन उद्योग में निष्पक्षता और स्थिरता सुनिश्चित करना। साथ ही व्यक्तियों, उद्योगों और संस्थानों के लिए स्वर्ण के उपयोग और मांग को बढ़ावा देने के माध्यम से मौजूदा स्वर्ण खपत की निगरानी और बचाव करके उद्योग की संभावित वृद्धि को अधिकतम करना।

स्वर्ण के नए उपयोगों, या स्वर्ण युक्त नए उत्पादों के विकास में अनुसंधान को सह-प्रायोजित करना।

इसमें वे बाजार शामिल हैं जिनमें विश्व की वार्षिक स्वर्ण खपत का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा शामिल है और यह प्रथम स्वर्ण एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड का निर्माता था।

कार्य:

महत्व:

विश्व स्वर्ण परिषद्

इसका विवरण:

विपणन, अनुसंधान और लॉबींग के माध्यम से सोने के उपयोग और मांग को बढ़ावा देना।

उद्देश्य:

मुख्यालय:

शाखाएँ

1987 में स्थापित एक गैर-लाभकारी संग्रह जिसके सदस्य दुनिया की अग्रणी स्वर्ण खनन कंपनियाँ हैं।

लंदन

भारत, चीन, सिंगापुर और यूएसए

## व्यापार मंत्रालय ने चीनी एल्युमीनियम फॉयल आयात पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा

### सुर्खियों में क्यों ?

- वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने चीन से आयातित एल्युमीनियम फॉयल पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है।
- यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब चीन से आने वाले बढ़ते शिपमेंट ने भारत के बाजार हिस्से का लगभग एक तिहाई हिस्सा अपने कब्जे में ले लिया है, जबकि स्थानीय उत्पादन क्षमता पर्याप्त है।
- इस सिफारिश का उद्देश्य घरेलू एल्युमीनियम फॉयल उद्योग को अनुचित व्यापार प्रथाओं और सस्ते आयातों से होने वाली संभावित क्षति से बचाना है।

## प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

### डंपिंग रोधी शुल्क

- इसका विवरण :** एक संरक्षणवादी शुल्क है जिसे घरेलू सरकार विदेशी आयातों पर लगाती है, जिनके बारे में माना जाता है कि उनकी कीमत उचित बाजार मूल्य से कम है।
- डंपिंग (Dumping):** एक प्रक्रिया जिसमें कोई कंपनी किसी उत्पाद को ऐसे मूल्य पर निर्यात करती है जो उसके घरेलू बाजार में सामान्यतः लगाए जाने वाले मूल्य से काफी कम होता है।
- महत्व:**
  - स्थानीय व्यवसायों और बाजारों को विदेशी आयातों द्वारा अनुचित प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए लागू किया जाता है।
  - डंपिंग के व्यापार विकृत प्रभाव को सुधारने और निष्पक्ष व्यापार को फिर से स्थापित करने के लिए।

- निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का एक साधन जिसे विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) द्वारा अनुमति दी गई है।
- नकारात्मक प्रभाव: घरेलू उपभोक्ताओं के लिए उच्च कीमतों का कारण भी बन सकता है।

## मास्टरकार्ड ने भुगतान पासकी सेवा की विश्वव्यापी शुरुआत के लिए भारत को चुना

### सुर्खियों में क्यों ?

- भुगतान उद्योग में वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी मास्टरकार्ड हाल ही में ऑनलाइन शॉपिंग को पहले से अधिक सुरक्षित और आसान बनाने के लिए अपनी नई भुगतान **पासकी सेवा** के विश्वव्यापी शुभारंभ की घोषणा की।

### प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

#### भुगतान पासकी सेवा

- **इसका विवरण:** यह डिवाइस-आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण विधियों जैसे कि फिंगरप्रिंट या चेहरे के स्कैन का उपयोग करता है और ग्राहकों को लेनदेन प्रबंधन के लिए गैर-ओटीपी-आधारित समाधान प्रदान करता है।
- **कार्य:** जब उपयोगकर्ता पहली बार किसी खाते में साइन इन करते हैं, तो उनका डिवाइस पासकी की एक जोड़ी बनाता है:
  - सार्वजनिक पासकी: पासकी को मान्य करने के लिए वेबसाइट के साथ साझा की जाती है
  - निजी पासकी: अपने खाते तक पहुंचने के लिए पासकी को अनलॉक करने हेतु डिवाइस पर।
- **लाभ:**
  - लेन-देन को तेज़ बनाता है, धोखाधड़ी और घोटालों के खिलाफ अधिक सुरक्षित बनाता है
  - ई-कॉमर्स लेनदेन के दौरान कार्डधारकों को स्वयं को प्रमाणित करने का एक सुरक्षित और आसान तरीका प्रदान करना।

## पर्यावरण

### गप्पी मछली

### सुर्खियों में क्यों ?

- हाल ही में किए गए एक अध्ययन में व्यापक रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले अवसादरोधी फ्लुओक्सेटीन (प्रोजेक्ट) के लंबे समय तक संपर्क के कारण नर गप्पी मछली के व्यवहार और प्रजनन लक्षणों पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों का खुलासा किया गया है।
- इस शोध में जलीय पारिस्थितिकी तंत्र में दवा प्रदूषण के व्यापक प्रभावों पर प्रकाश डाला गया है।

## गप्पी मछली

- **इसका विवरण** : घरेलू एक्वैरियम के लिए लोकप्रिय मछली की छोटी उष्णकटिबंधीय मीठे पानी की प्रजातियाँ।
- **प्रजनन**: लैंगिक रूप से द्विरूपी, जिसका अर्थ है कि प्रजाति के नर और मादा के बीच स्पष्ट अंतर है।
- **स्वरूप**: काले, हरे, नारंगी, लाल, सफेद और पीले रंग के चमकीले शेड्स और धब्बे और धारियों के पैटर्न।
- **क्षेत्र**: दक्षिण अमेरिका के कुछ देशों और द्वीपों के मूल निवासी: एंटीगुआ और बारबुडा, बारबाडोस, ब्राजील, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनिदाद और टोबैगो, और वेनेजुएला।



## भयंकर सूखे के बीच नामीबिया का जंगली जानवरों को मारने का निर्णय

### सुर्खियों में क्यों ?

- नामीबिया ने देश में भयंकर सूखे के कारण अपने सैकड़ों जंगली जानवरों को मारने की योजना की घोषणा की है। पर्यावरण, वानिकी और पर्यटन मंत्रालय द्वारा घोषित इस निर्णय का उद्देश्य वन्यजीवों और मानव आबादी दोनों पर सूखे के प्रभावों का प्रबंधन करना है। जानवरों को मारने से स्थानीय उपभोग के लिए मांस उपलब्ध होगा और प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव कम होगा।

### नामीबिया में सूखा

- **नामीबिया का स्थान**: यह सूखाग्रस्त दक्षिणी अफ्रीका में स्थित है, और यहां अक्सर ऐसी घटनाएं होती रहती हैं।
- **शुरुआत**: अक्टूबर 2023 में बोत्सवाना में सूखे की शुरुवात हुई, जो अंगोला, जाम्बिया, जिम्बाब्वे और नामीबिया में फैल गया।
- **जिम्मेदार कारक**: एल नीनो, दुनिया के कई हिस्सों और महासागरों में अत्यधिक गर्मी और सूखे से जुड़ा एक मौसम का पैटर्न, मिट्टी में आद्रता की कमी और वनस्पति पर तनाव सूखे का कारण बना।
- **जलवायु परिवर्तन का प्रभाव**: जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि, सूखा और बाढ़ जैसी चरम मौसम की घटनाएँ अधिक लगातार और तीव्र हो गई हैं।

### सूखे का प्रभाव

- **खाद्य उपलब्धता में कमी**: सूखे के कारण मक्का जैसी मुख्य फसलें नष्ट हो गई हैं, पशुओं की मृत्यु दर में वृद्धि हुई है और खाद्य भंडार में भारी कमी आई है। देश के लगभग 84% खाद्य भंडार समाप्त हो गए हैं, जिससे खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ गई हैं और भोजन तक पहुँच सीमित हो गई है।
- **पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में गंभीर कुपोषण**: कुछ क्षेत्रों में मृत्यु की सूचना मिली है।



- **सूखे के कारण महिलाओं की बढ़ती हुई भेद्यता:** चूंकि महिलाओं और लड़कियों को भोजन और पानी लाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, इसलिए उनके लिंग आधारित हिंसा का शिकार होने का जोखिम भी बढ़ जाता है।

## जंगली जानवरों को मारने का प्रभाव

- सूखे के कारण जानवरों को भोजन और पानी की तलाश में पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ता है; इससे उनका मानव आबादी के साथ संघर्ष होना संभव है।
- मारने का उद्देश्य सीमित संसाधनों वाले क्षेत्रों में चराई के दबाव और पानी के लिए प्रतिस्पर्धा को कम करने के लिए जंगली जानवरों की संख्या को नियंत्रित करना है।

## पोबा आरक्षित वन

### सुर्खियों में क्यों ?

- असम के धेमाजी जिले में पोबा आरक्षित वन को जल्द ही एक वन्यजीव अभयारण्य के रूप में अधिसूचित किया जाएगा, जो राज्य में संरक्षण प्रयासों को बढ़ावा देगा।

### पोबा आरक्षित वन

- **विवरण:** असम के उत्तरपूर्वी भाग में स्थित 1924 में अधिसूचित वर्षावन।
- **क्षेत्र:** ~10,221 हेक्टेयर।
- **सीमाएँ:**
  - **उत्तर:** अरुणाचल प्रदेश में हिमालय पर्वतमाला की तलहटी;
  - **पूर्व और दक्षिण:** सियांग, दिबांग और लोहित नदियाँ ब्रह्मपुत्र में मिल जाती हैं;
  - **पश्चिम:** असम के धेमाजी जिले के जोनाई उप-मंडल के राजस्व गाँव।
- **जनजातियाँ:** मिसिंग, बोडो, सोनोवाल कचारी, और हाजोंग (राभा)।
- **महत्व:**
  - वनस्पतियों और जीवों की दृष्टि से उत्तर-पूर्व भारत के सबसे समृद्ध वर्षा वनों में से एक।
  - स्लो लोरिस, कैण्ड लंगूर और जंगली सूअर जैसी प्रजातियों का घर।
  - पक्षियों और सरीसृपों की लगभग 45 प्रजातियों का आवास
  - सियांग और लोहित नदियों का संगम स्थल विभिन्न मछली प्रजातियों का घर है।
  - ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तर से दक्षिणी तट तक हाथियों के प्रवास का दूसरा महत्वपूर्ण मार्ग, अन्य पानपुर-काजीरंगा मार्ग है।



## ओडिशा ने राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की मंजूरी से सतकोसिया में 12 बाघ लाने की योजना बनाई

### सुर्खियों में क्यों ?

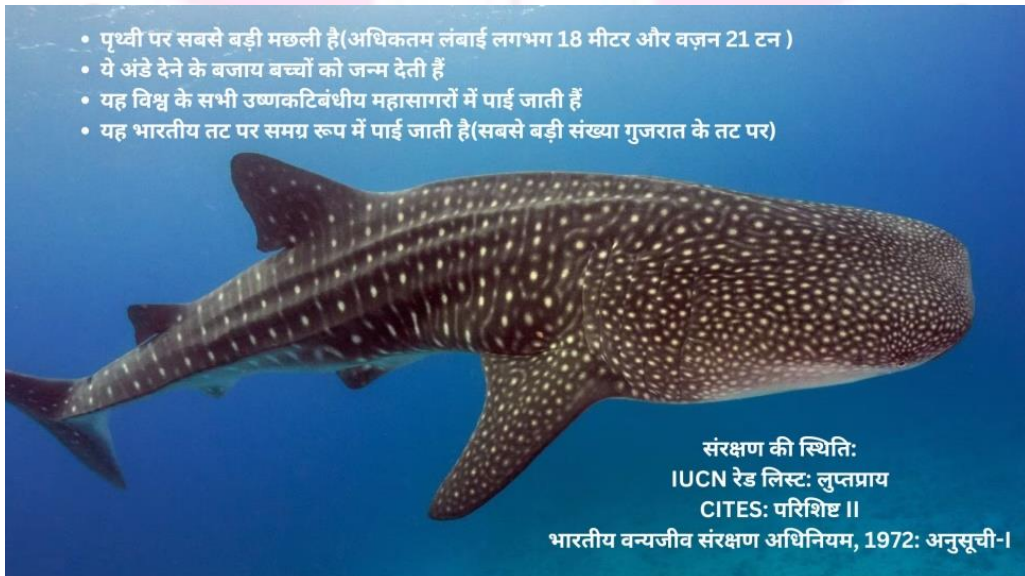
- सतकोसिया बाघ अभ्यारण्य में देश के पहले बाघ के पुनर्वास की परियोजना को निलंबित करने के साढ़े चार साल बाद, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) ने राज्य सरकार को कार्यक्रम फिर से शुरू करने के लिए मंजूरी दे दी है।

### सतकोसिया बाघ अभ्यारण्य

- **अवस्थिति:** ओडिशा में अंगुल, कटक, बौध और नयागढ़ जिलों में।
- **2 निकटवर्ती अभ्यारण्य:** बाइसिपल्ली अभ्यारण्य और सतकोसिया गॉर्ज अभ्यारण्य।
- **क्षेत्र:** 1136.70 वर्ग किमी (मुख्य क्षेत्र के रूप में 523.61 वर्ग किमी)।
- **2 जैव-भौगोलिक क्षेत्रों का संगम:** दक्कन प्रायद्वीप एवं पूर्वी घाट।
- **स्थलाकृति:** पहाड़ी, मध्यम से तीव्र ढलानों और संकीर्ण घाटियों के साथ।
- **नदी:** महानदी इस अभ्यारण्य के मध्य में घाटियों से होकर बहती है।
- **औसत ऊंचाई:** 37 मीटर - 932 मीटर, सबसे निचला बिंदु कटरांग में और उच्चतम बिंदु सुनाखानिया में है।
- **वनस्पति:** उत्तर भारतीय उष्णकटिबंधीय नम पर्णपाती वन और नम प्रायद्वीपीय निम्न-स्तरीय साल।
- **वनस्पति:** आसन, धौरा, बांस, और सिमल



## अंतर्राष्ट्रीय व्हेल शार्क दिवस

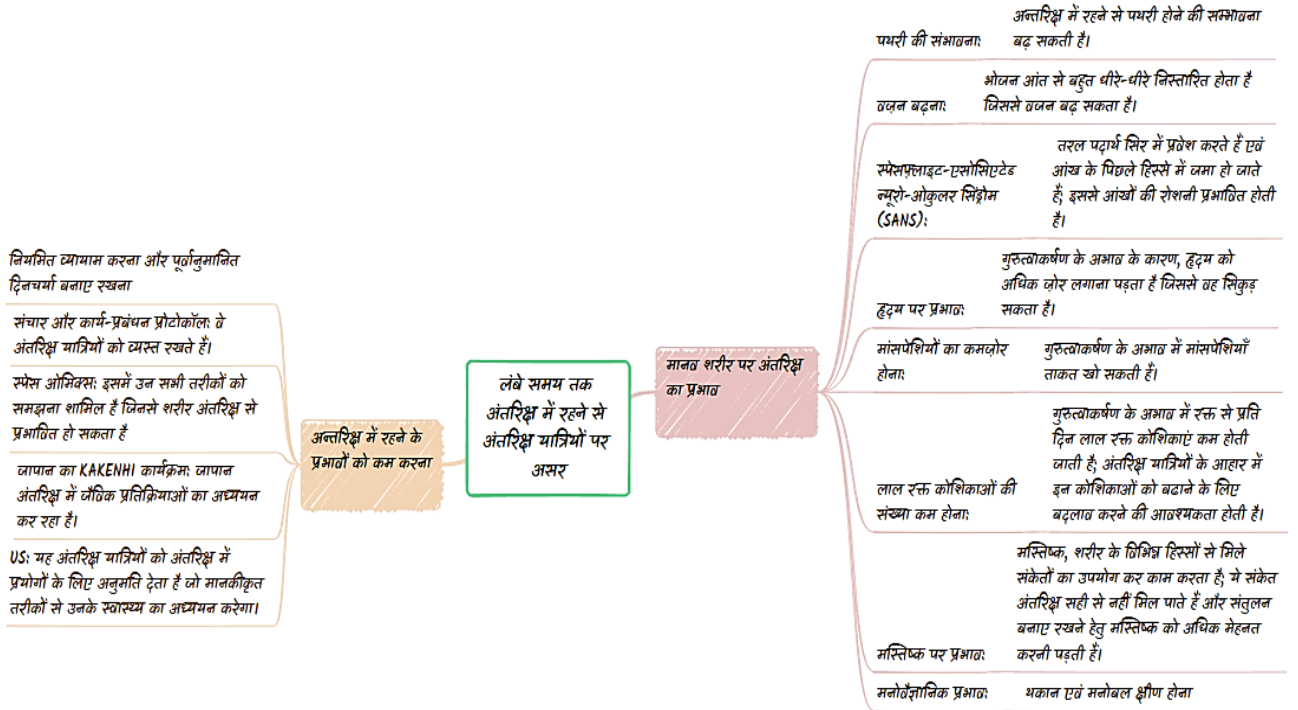


## विज्ञान और प्रौद्योगिकी

### लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने से अंतरिक्ष यात्रियों पर क्या असर पड़ेगा

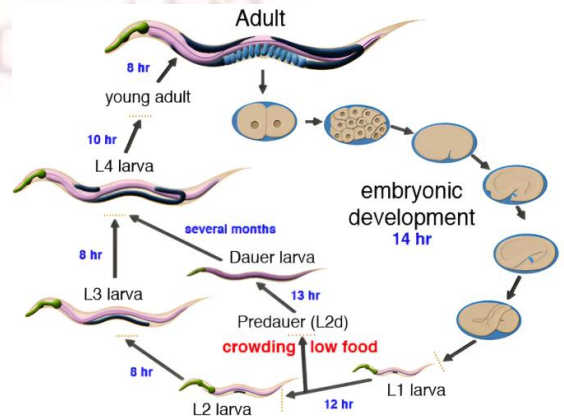
#### सुर्खियों में क्यों ?

- हाल ही में, नासा ने कहा कि बोइंग का स्टारलाइनर कू कैप्सूल जो अंतरिक्ष यात्रियों सुनीता विलियम्स और बैरी विल्मोर को उनकी प्रथम कू परीक्षण उड़ान के रूप में ISS ले गया था, उन्हें वापस लाने हेतु सुरक्षित नहीं था। परिणामस्वरूप, नासा ने विलियम्स और विल्मोर के ISS पर रहने की अवधि को फरवरी 2025 तक बढ़ा दिया।



### सी. एलिंगेस

- विवरण:** एक निमेटोड कृमि जो छोटा, अपेक्षाकृत सरल, तथा सटीक संरचना वाला जीव है।
- गर्भाधान:** एक निषेचित अंडे से एक मिलीमीटर लंबे वयस्क में रूपान्तरण में 3-5 दिन लगते हैं।
- महत्व:** न्यूरोनल और आणविक जीव विज्ञान को समझने के लिए अनुसंधान में उपयोगी ; यह





पहला बहुकोशिकीय जीव है जिसका पूर्ण जीनोम अनुक्रम और तंत्रिका प्रणाली जांचा जा चुका है।

- **विशेषताएं:** एक उभयलिगी

## नैनो पॉलिमर

### सुर्खियों में क्यों ?

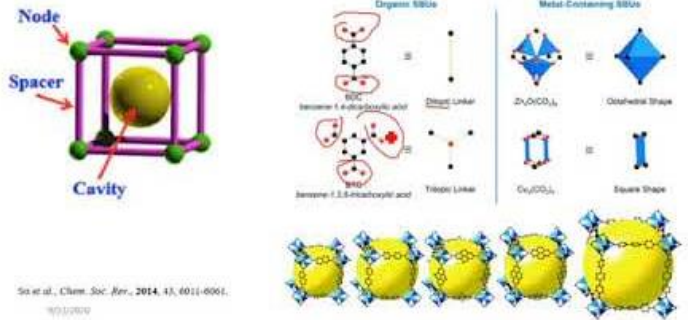
- धात्विक- कार्बनिक संरचना (मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क -MOF) और द्वि- आयामी (2D) सामग्रियां नामक नैनो पॉलिमर सामग्रियों के एक नए समूह की सहायता से विकसित किए गए नवीन विद्युत रासायनिक (इलेक्ट्रोकेमिकल) और प्रकाशिक (ऑप्टिकल) सेंसर का उपयोग कई स्वास्थ्य, खाद्य गुणवत्ता और पर्यावरणीय मानक (पेंसामीटर) की तेजी से और सुविधाजनक पहचान के लिए किया जा सकता है।

### प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

- **धात्विक-** कार्बनिक संरचना
- **विवरण:** ठोस-चरण निष्कर्षण के लिए उपयुक्त एकसमान संरचित झरझरा सामग्री।
- **द्वि- आयामी (2D) सामग्री:** द्वि-आयामी पदार्थ कुछ नैनोमीटर या उससे कम मोटाई वाले पदार्थ होते हैं।।
- **MOF और 2D सामग्री की विशेषताएं:**

- बड़ा सतही क्षेत्र, अधिक कार्यक्षमता और ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक गुण।
- संश्लेषण विधियों की एक विस्तृत श्रृंखला
- निस्तारण योग्य इलेक्ट्रोड, ऑप्टिकल किट, फाइबर ऑप्टिक सेंसर, कलरिमेट्रिक स्ट्रिप्स आदि में ढाला जा सकता है।

### Metal Organic Frameworks (MOFs)



### अनुप्रयोग:

- बैक्टीरिया, एफ्लाटॉक्सिन और भारी धातुओं के लिए इलेक्ट्रोकेमिकल और ऑप्टिकल सेंसर विकसित करना।
- स्वास्थ्य, भोजन गुणवत्ता और पर्यावरणीय मापदंडों को जांचना।
- पानी, दूध और मुख्य खाद्य पदार्थों के नमूनों में एफ्लाटॉक्सिन और ज़ेरालोइन जैसे विषाक्त पदार्थों का पता लगाना।



## केंद्र आठ राज्यों में खुरपका - मुंहपका रोग -मुक्त क्षेत्र स्थापित करेगा

### सुर्खियों में क्यों ?

- केंद्र सरकार ने भारतीय पशु उत्पादों के निर्यात के अवसरों का विस्तार करने और देश की वैश्विक बाजार में उपस्थिति बढ़ाने के लिए आठ राज्यों में (कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र और गुजरात) खुरपका - मुंहपका रोग मुक्त क्षेत्र स्थापित करने का निर्णय लिया है।



**मुंहपका-खुरपका रोग**



**मुंहपका-खुरपका रोग अत्यन्त संक्रामक एवं घातक विषाणुजनित रोग है।**

यह रोग होने पर पशु को तेज बुखार हो जाता है। बीमार पशु के मुंह, मसूड़े, जीम के ऊपर नीचे ओठ के अन्दर का भाग खुरों के बीच की जगह पर छोटे-छोटे दाने से उमर आते हैं, फिर धीरे-धीरे ये दाने आपस में मिलकर बड़ा छाला बनाते हैं। समय पाकर यह छाले फल जाते हैं और उनमें जख्म हो जाता है। पशु जुगाली करना बंद कर देता है, इस रोग से दुधारू पशु सूख जाते हैं।

### उपचार एवं रोकथाम

<p>△ रोगग्रस्त पशु के पैर को नीम एवं वीपल के छाले का काढ़ा बना कर दिन में दो से तीन बार धोना चाहिए।</p> <p>△ प्रभावित पैरों को फिनाइल-युक्त पानी से दिन में दो-तीन बार धोकर मक्खी को दूर रखने वाली मलहम का प्रयोग करना चाहिए।</p> <p>△ मुंह के छाले को 1 प्रतिशत फिटकरी अर्थात् 1 ग्राम फिटकरी 100 मिलीलीटर पानी में घोलकर दिन में तीन बार धोना चाहिए।</p> <p>△ इस दौरान पशुओं को मुलायम एवं सुपाच्य भोजन दिया जाना चाहिए।</p> <p>☒ पशु चिकित्सक के परामर्श पर दवा देनी चाहिए।</p>	<p>△ प्रभावित पशु को साफ एवं हवादार स्थान पर अन्य स्वस्थ पशुओं से दूर रखना चाहिए।</p> <p>△ पशुओं की देखरेख करने वाले व्यक्ति को भी हाथ-पांव अच्छी तरह साफ कर ही दूसरे पशुओं के संपर्क में जाना चाहिए।</p> <p>△ प्रभावित पशु के मुंह से गिरने वाले तार एवं पैर के घाव के संसर्ग में आने वाले वस्तुओं पुआल, भूसा, घास आदि को जला देना चाहिए या जमीन में गड्ढा खोदकर बूना के साथ गाड़ दिया जाना चाहिए।</p> <p>△ इलाज से बेहतर है बचाव के सिद्धान्त पर छः माह से ऊपर के स्वस्थ पशुओं को खुरहा-मुंहपका रोग के विरुद्ध टीकाकरण करवाना चाहिए।</p>
--	--

www.krimanshi.com

## आंध्र प्रदेश के विजाग में रासायनिक यौगिक के रिसाव से पांच लोग बेहोश

### सुर्खियों में क्यों ?

- हाल ही में श्रवण शिपिंग गोदाम में एसीटैनिलाइड बैग (एक क्रिस्टलीय पाउडर) से हुए रिसाव से पांच लोग बेहोश हो गए।

## एसीटैनिलाइड /N -फिनाइलएसिटैमाइड/ एसिटैनिल

- **विवरण:** C<sub>8</sub>H<sub>9</sub>N<sub>0</sub> आणविक सूत्र वाला एक सिंथेटिक कार्बनिक यौगिक, एक सफेद, गंधहीन ठोस पदार्थ जिसे 1886 में बुखार कम करने वाली दवा के रूप में चिकित्सा हेतु प्रयोग किया गया था।
- **उपयोग:** दर्द निवारण, सिरदर्द, मासिक धर्म और गठिया जैसी बिमारियों में दर्द कम करने हेतु प्रयोग
- **दुष्प्रभाव:** यह रक्त के ऑक्सीजन ले जाने वाले हीमोग्लोबिन के कार्य को बाधित करता है।
- **अनुप्रयोग:** रंग, रबर और अन्य रसायनों के उत्पादन में एक महत्वपूर्ण मध्यस्थ के रूप में प्रयोग में लिया जाता है

## रक्षा क्षेत्र

### भारतीय सेना ने प्रोजेक्ट NAMAN लॉन्च किया

#### सुखियों में क्यों ?

- भारतीय सेना ने हाल ही में प्रोजेक्ट NAMAN का पहला चरण लॉन्च किया है।

#### प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

प्रोजेक्ट NAMAN	उद्देश्य:	डिफेंस पेंशनर्स, वेटरन और उनके परिवारों को सहायता और सेवाएँ प्रदान करना।
	समझौता:	इंडियन आर्मी डायरेक्टोरेट ऑफ इंडियन आर्मी वेटरन (एडजुटेंट जनरल की शाखा), कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) ई-गवर्नेंस इंडिया लिमिटेड और एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये गए।
	लाभार्थी:	डिफेंस पेंशनर्स, वेटरन और उनके परिवार।
	महत्व:	वेटरन्स को आवश्यक देखभाल एवं सहायता प्रदान करता है और सैन्य स्टेशनों और आसपास के इलाकों की आबादी को बैंकिंग सुविधाएँ प्रदान करता है।